Testwale Current Affairs PDF

Current Affairs search results for tag: popular

1. न्यूज़ीलैंड ने डिस्पोजेबल ई-सिगरेट और वेप्स पर प्रतिबंध लागू किया (March 23, 2024)

तंबाकू धूम्रपान को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के उद्देश्य से हाल ही में कानून को निरस्त करने के बाद, न्यूज़ीलैंड सरकार ने डिस्पोजेबल ई-सिगरेट और वेप्स पर प्रतिबंध लागू किया है।

खबर का अवलोकन

सरकारी कार्रवाई:

- नाबालिगों को बिक्री रोकने के लिए, 18 वर्ष से कम उम्र वालों को बिक्री करने वाले खुदरा विक्रेताओं पर जुर्माना बढ़ जाएगा।
- खुदरा विक्रेताओं को 100,000 न्यूज़ीलैंड डॉलर तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है, जबकि व्यक्तियों पर समान अपराध के लिए 1,000 न्यूज़ीलैंड डॉलर का जुर्माना लगाया जा सकता है।

युवा सुरक्षा उपाय:

- नियम युवाओं को पसंद आने वाली पैकेजिंग या ब्रांडिंग वाली ई-सिगरेट की बिक्री को भी प्रतिबंधित करते हैं, जिसका उद्देश्य युवाओं को वेपिंग की ओर आकर्षित होने से रोकना है।

प्रतिबंध के पीछे तर्क:

- एसोसिएट स्वास्थ्य मंत्री केसी कोस्टेलो का कहना है कि ई-सिगरेट को धूम्रपान बंद करने के उपकरण के रूप में मान्यता दी गई है, लेकिन प्रतिबंध का उद्देश्य नाबालिगों को वेपिंग की आदत अपनाने से हतोत्साहित करना है।

डिस्पोज़ेबल वेप्स के विरुद्ध वैश्विक रुझान:

- यूनाइटेड किंगडम का प्रतिबंध: ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने दीर्घकालिक प्रभावों और युवाओं की लत के बारे में चिंताओं का हवाला देते हुए 2022 में डिस्पोजेबल वेप्स पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।
- ऑस्ट्रेलिया का प्रतिबंध: युवाओं के बीच वेपिंग की लोकप्रियता और संभावित स्वास्थ्य जोखिमों को संबोधित करने के लिए वैश्विक आंदोलन के साथ जुड़ते हुए, ऑस्ट्रेलिया ने भी इस साल डिस्पोजेबल एकल-उपयोग वेप्स पर प्रतिबंध लागू किया।

2. पीएम मोदी को भूटान का 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो' अवॉर्ड मिला (March 23, 2024)

भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने **भूटान के प्रतिष्ठित 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो'** के उद्घाटन **गैर-भूटानी प्राप्तकर्ता** बनकर इतिहास रच दिया है।

खबर का अवलोकन

- पीएम मोदी को थिम्पू की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से यह सम्मानित सम्मान मिला।

पुरस्कार का महत्व:

- 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो' जीवन भर की उपलब्धियों को मान्यता देते हुए भूटान का प्रमुख नागरिक सम्मान है।
- इसे भूटान में दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान होने का गौरव प्राप्त है।
- इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को देश के अन्य सभी आदेशों, अलंकरणों और पदकों पर प्राथमिकता दी जाती है।
- आज तक, **केवल चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों** को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

पिछले पुरस्कार विजेता:

- महामहिम रॉयल क्वीन दादी **आशी केसांग चोडेन वांगचुक** को 2008 में इस सम्मान से सम्मानित किया गया था।
- भूटान के 68वें जे खेनपो, **परम पावन जे थ्रिज़ुर तेनज़िन डेंडुप** को भी 2008 में पुरस्कार मिला था।
- परम पावन जे खेनपो **त्रुलकु न्गवांग जिग्मे चोएद्रा** को 2018 में पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- प्राप्तकर्ताओं में जेई खेंपो शामिल हैं, जो भूटान के केंद्रीय मठ निकाय के मुख्य मठाधीश का पद संभालते हैं।

भूटान के बारे में

राजधानी - **थिम्पू**

राजा - **जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक**

मुद्राएँ - **भूटानी नगुल्ट्रम, भारतीय रुपया**

आधिकारिक भाषा - **ज़ोंगखा**

3. हैदराबाद में भारत का पहला सौर साइकिल ट्रैक का उद्घाटन किया गया (Oct. 5, 2023)

दक्षिण कोरिया में इसी तरह के सौर पैनल से ढके साइकिल ट्रैक से प्रेरणा लेते हुए, हैदराबाद ने भारत के पहले सौर साइकिल ट्रैक का उद्घाटन किया।

खबर का अवलोकन

- हैदराबाद में यह अभिनव परियोजना अब विश्व का दूसरा सौर छत से ढका साइकिल ट्रैक है, जिसके बाद दुबई और स्विट्जरलैंड में भी इसी तरह की पहल की गई है।

हैदराबाद सोलर साइकिल ट्रैक की विशेषताएं:

- सौर साइकिल ट्रैक का निर्माण हैदराबाद के आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के साथ किया गया है और इसकी कुल लंबाई 23 किलोमीटर है, जिसमें दो लाइनें शामिल हैं।

- पिंक लाइन नानकरामगुडा से तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी (टीएसपीए) तक फैली हुई है, जो 8.5 किलोमीटर की दूरी तय करती है, जबकि ब्लू लाइन नारसिंगी हब से कोल्लूर तक चलती है, जो 14.5 किलोमीटर तक फैली हुई है।

- ट्रैक को साइकिल चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है, जिसमें सुरक्षात्मक बाधाओं के साथ तीन समर्पित लेन हैं।

- इसमें पार्किंग, फूड स्टॉल, मरम्मत और किराये के स्टेशन, प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं, आराम क्षेत्र और उन्नत सिग्नलिंग सिस्टम जैसी विभिन्न सुविधाओं से सुसज्जित पांच पहुंच बिंदु शामिल हैं।

- ट्रैक की एक उल्लेखनीय विशेषता इसकी सौर छत है, जो 16 मेगावाट बिजली पैदा करने में सक्षम है, जो न केवल कई स्ट्रीटलाइट्स को रोशन करती है बल्कि व्यापक कवरेज भी प्रदान करती है।

कार्यान्वयन और लागत बचत:

- हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (HMDA) का एक प्रभाग, हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड (HGCL), दक्षिण कोरिया में इसी तरह की सुविधाओं से प्रेरणा लेते हुए, इस परियोजना को लागू करने के लिए जिम्मेदार है।

- इस परियोजना से एचएमडीए को लागत में बचत होने की उम्मीद है, सौर पैनलों के लिए छह साल की अनुमानित पुनर्प्राप्ति अवधि और पूरी परियोजना के लिए 15 साल की अनुमानित अवधि होगी।

सौर साइकिल ट्रैक का महत्व:

- अपने पर्यावरणीय प्रभाव के अलावा, साइक्लिंग ट्रैक का लक्ष्य कार्बन उत्सर्जन को कम करना और खुद को दुनिया के सबसे पर्यावरण अनुकूल साइक्लिंग ट्रैक के रूप में स्थापित करना है।

- रणनीतिक प्रकाश व्यवस्था सीसीटीवी निगरानी द्वारा प्रदान की गई अतिरिक्त सुरक्षा के साथ, साल भर, 24x7 उपयोग को सक्षम बनाती है।

- भविष्य की योजनाओं में साइकिल किराये की एजेंसियों, स्वास्थ्य खाद्य दुकानों और खुदरा कियोस्क की स्थापना शामिल है, जो समग्र साइकिलिंग अनुभव को बढ़ाती है।

- सौर पैनलों के लिए छत का उपयोग करने से न केवल भूमि की बचत होती है, बल्कि टिकाऊ प्रथाओं के अनुरूप स्वच्छ ऊर्जा भी उत्पन्न होती है।

इसके अलावा, छत दुर्घटना की रोकथाम में योगदान करते हुए धूप, बारिश और प्रदूषण से सुरक्षा प्रदान करती है।

4. भारत ने लद्दाख के न्योमा में दुनिया के सबसे ऊंचे लड़ाकू हवाई क्षेत्र का निर्माण शुरू किया (Sept. 11, 2023)

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) लद्दाख के न्योमा में विश्व का सबसे ऊंचा लड़ाकू हवाई क्षेत्र बना रहा है।

खबर का अवलोकन

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 12 सितंबर, 2023 को जम्मू के देवक ब्रिज पर इस परियोजना की आधारशिला रखेंगे।
- दक्षिणी लद्दाख का एक प्रमुख गांव न्योमा, पहले से ही 1962 में स्थापित एक भारतीय वायु सेना बेस और एक उन्नत लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) की मेजबानी करता है।
- न्योमा की ऊंचाई समुद्र तल से प्रभावशाली 4,180 मीटर (13,710 फीट) तक पहुंचती है, जो इसे क्षेत्र के सबसे ऊंचाई वाले स्थानों में से एक बनाती है।

बजट आवंटन:

- केंद्र सरकार ने सीमावर्ती बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अपने बजट आवंटन में लगातार वृद्धि की है।
- पिछले वर्ष, लगभग ₹12,340 करोड़ आवंटित किए गए थे, जो भारत की सीमा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

भारत के बुनियादी ढाँचे के विकास के लक्ष्य:

- बीआरओ का नेतृत्व कर रहे लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी सीमा बुनियादी ढांचे के विकास में भारत की तीव्र प्रगति को लेकर आशावादी हैं।
- भारत का लक्ष्य अगले दो से तीन वर्षों के भीतर 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर इस मामले में चीन को पीछे छोड़ने का है।

लद्दाख के बारे में

- केंद्र शासित प्रदेश - **31 अक्टूबर 2019**
- राजधानियाँ - **लेह, कारगिल**
- उपराज्यपाल - **बी. डी. मिश्रा**
- संसद सदस्य - **जामयांग त्सेरिंग नामग्याल**

5. G20 शिखर सम्मेलन स्थल पर विश्व की सबसे ऊंची नटराज प्रतिमा का अनावरण किया गया (Sept. 9, 2023)

कुशल कारीगरों द्वारा तैयार की गई विश्व की सबसे ऊंची नटराज प्रतिमा का G20 शिखर सम्मेलन स्थल पर अनावरण किया गया।

खबर का अवलोकन

- जी20 शिखर सम्मेलन स्थल अब नटराज की 27 फुट ऊंची एक आश्चर्यजनक प्रतिमा से सुशोभित है, जो भगवान शिव को उनके ब्रह्मांडीय नृत्य में दर्शाती है।

- यह शानदार मूर्ति अष्टधातु, आठ धातु मिश्र धातु से तैयार की गई है, और इसका वजन उल्लेखनीय 18 टन है। दिल्ली तक परिवहन के लिए 36 टायरों वाले ट्रेलर की आवश्यकता थी।

- तमिलनाडु के तंजावुर जिले के स्वामीमलाई के कुशल कारीगर इस उत्कृष्ट कृति को बनाने के लिए जिम्मेदार हैं, जो प्राचीन नटराज की मूर्तियों से प्रेरणा लेते हुए परंपरा को आधुनिकता के साथ खूबसूरती से जोड़ती है।

स्वामीमलाई के मास्टर मूर्तिकार

- इस मूर्ति के प्राथमिक मूर्तिकार श्रीकंडा स्थपति (61 वर्ष) और उनके भाई राधाकृष्ण स्थपति और स्वामीनाथ स्थपति हैं। उनका परिवार मूर्तिकला में एक प्रभावशाली वंशावली का दावा करता है, जो 34 पीढ़ियों तक फैला हुआ है, जिसकी उत्पत्ति चोल युग में हुई थी।

- स्टैपथी परिवार ने पीढ़ियों से चली आ रही प्राचीन गुरुकुल प्रणाली के माध्यम से अपना प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्हें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, संस्कृति मंत्रालय द्वारा उल्लिखित कड़े मानदंडों के आधार पर नटराज परियोजना के लिए चुना गया था।

- यह परियोजना तीन प्रतिष्ठित नटराज मूर्तियों से प्रेरणा लेती है: चिदंबरम में थिल्लई नटराज मंदिर, कोनेरीराजपुरम में उमा महेश्वर मंदिर, और तंजावुर में बृहदेश्वर मंदिर का यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल।

पारंपरिक 'लॉस्ट-वैक्स' कास्टिंग विधि

- इस मूर्ति के लिए अपनाई गई क्राफ्टिंग प्रक्रिया पारंपरिक 'लॉस्ट-वैक्स' कास्टिंग विधि थी, जो चोल युग की स्वदेशी तकनीक थी।

- यह प्रक्रिया जटिल आभूषणों से सुसज्जित एक अत्यधिक विस्तृत मोम मॉडल के निर्माण के साथ शुरू हुई।

- एक अद्वितीय जलोढ़ मिट्टी का पेस्ट, जो विशेष रूप से स्वामीमलाई में पाया जाता है, का उपयोग पूरे सांचे को ढंकने के लिए किया गया था, जिसमें स्वामीमलाई में नदी के एक विशिष्ट हिस्से से कावेरी मिट्टी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

कलात्मकता में निवेश:

- इस उल्लेखनीय नटराज प्रतिमा के निर्माण पर जीएसटी सहित 10 करोड़ रुपये की लागत आई।

6. नीति आयोग और यूएनडीपी एसडीजी में तेजी लाने के लिए एकजुट हुए (Aug. 31, 2023)

सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर प्रगति में तेजी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, नीति आयोग और यूएनडीपी भारत ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

खबर का अवलोकन

यह समझौता ज्ञापन एक औपचारिक समझौते के रूप में कार्य करता है, जो दोनों संस्थाओं के बीच सहयोगात्मक ढांचे को रेखांकित करता है।

समझौता ज्ञापन कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग का प्रतीक है:

- **एसडीजी का स्थानीयकरण:** साझेदारी एसडीजी को जमीनी स्तर पर लाने, उनके प्रभावी कार्यान्वयन और प्रभाव को सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित करती है।
- **डेटा-संचालित निगरानी:** डेटा को एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उपयोग करते हुए, गठबंधन का लक्ष्य एसडीजी प्रगति की निगरानी और मूल्यांकन को बढ़ाना है।
- **आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों को सशक्त बनाना:** सहकारी प्रयास आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों के रूप में नामित विशिष्ट क्षेत्रों को सशक्त बनाने और उत्थान करने तक विस्तारित हैं।
- **विविध सहयोगात्मक पहल:** साझेदारी में समग्र विकास में योगदान देने वाली सहयोगी परियोजनाओं और पहलों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

एमओयू के हस्ताक्षरकर्ता

- नीति आयोग के सीईओ बी. वी. आर. सुब्रमण्यम
- डॉ. योगेश सूरी, नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार (एसडीजी)
- शोको नोडा, यूएनडीपी भारत की स्थानीय प्रतिनिधि

यूएनडीपी की प्रगति की प्रतिज्ञा

- यूएनडीपी भारत की स्थानीय प्रतिनिधि शोको नोडा ने संगठन के समर्पण पर जोर दिया। उन्होंने बहुआयामी गरीबी में उल्लेखनीय कमी का हवाला देते हुए एसडीजी को वास्तविकता बनाने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।
- साझेदारी के दायरे में एसडीजी स्थानीयकरण, डेटा-संचालित निर्णय लेने और आकांक्षी जिलों और ब्लॉक पहल, एसडीजी वित्तपोषण, महिलाओं

की आजीविका, नवाचार और मिशन LiFE जैसे विभिन्न कार्यक्रमों को बढ़ावा देना शामिल है।

सहयोग की अवधि

- समझौता ज्ञापन पांच साल की सहयोग अवधि स्थापित करता है।
- इस अवधि के दौरान, नीति आयोग और यूएनडीपी इंडिया के बीच संयुक्त प्रयासों को विभिन्न विकासात्मक पहलों और परियोजनाओं में शामिल किया जाएगा।

नीति आयोग और यूएनडीपी की भूमिकाएँ

- नीति आयोग राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर एसडीजी कार्यान्वयन और निगरानी के लिए प्रमुख समन्वय निकाय की भूमिका निभाता है।
- इसके विपरीत, यूएनडीपी एसडीजी की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर कार्यों को एकीकृत और सामंजस्यपूर्ण बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी लेता है।

7. सिंगापुर मैथ ओलंपियाड में राजा अनिरुद्ध श्रीराम ने रजत पदक जीता (Aug. 23, 2023)

तिरुपति के चौथी कक्षा के छात्र राजा अनिरुद्ध श्रीराम ने प्रतिष्ठित सिंगापुर मैथ ओलंपियाड में रजत पदक हासिल किया।

खबर का अवलोकन

- इस उपलब्धि ने उनके परिवार, स्कूल और आंध्र प्रदेश राज्य को गौरवान्वित किया।
- सिंगापुर इंटरनेशनल मैथ ओलंपियाड चैलेंज (SIMOC) में 23 भारतीय प्रतिभागियों में से, राजा अनिरुद्ध आंध्र प्रदेश से एकमात्र प्रतिनिधि थे।
- SIMOC कार्यक्रम ने 32 देशों के 2000 से अधिक छात्रों की मेजबानी की, जो युवा गणित प्रतिभाओं के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करता है।
- केवल चार साल की उम्र में, उन्होंने असाधारण स्मृति का प्रदर्शन करते हुए, 160 सेकंड में 100 कारों की पहचान करके एक रिकॉर्ड बनाया।
- छह साल की उम्र में, वह अपने तकनीकी कौशल को उजागर करते हुए **'माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेट' हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए।**
- उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड और ABACUS मानसिक गणित प्रतियोगिताओं जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पहचान हासिल की।
- सात और आठ साल की उम्र में सिंगापुर और एशियाई स्कूल गणित ओलंपियाड में लगातार जीत ने उनके समर्पण को प्रदर्शित किया।
- सिंगापुर के शिक्षा मंत्री - चैन चुन सिंग

8. सीएम एमके स्टालिन ने पेरूर, चेन्नई में दक्षिण पूर्व एशिया के सबसे बड़े विलवणीकरण संयंत्र का निर्माण शुरू किया (Aug. 23, 2023)

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 21 अगस्त 2023 को पेरूर में 4,276.44 करोड़ रुपये के अलवणीकरण संयंत्र का शुभारंभ किया।

खबर का अवलोकन

- दक्षिण पूर्व एशिया के सबसे बड़े अलवणीकरण संयंत्र का विकास शुरू।
- जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (JICA) द्वारा प्रदान की गई फंडिंग।
- परियोजना में 85.51 एकड़ जमीन शामिल है, जिसे 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

नवीन जल उपचार तकनीकें:

- उन्नत तरीके: घुलित वायु प्लवन और दोहरी मीडिया निस्पंदन।
- उच्च-घनत्व पॉलीथीन (एचडीपीई) पाइपलाइनें समुद्र में 1,150 मीटर तक फैली हुई हैं।
- पोरूर क्षेत्र तक 59 किमी तक फैली पेयजल पाइपलाइन।

जल आपूर्ति और वितरण में वृद्धि:

- बढ़ी हुई आपूर्ति: संयंत्र के पूरा होने के बाद 400 एमएलडी अतिरिक्त पानी।
- पानी की जरूरतों को पूरा करना: चेन्नई और आसपास के क्षेत्रों में 22.67 लाख लोग।
- लाभार्थी क्षेत्र: चेन्नई, तांबरम, कोविलंचेरी, पेरुंबक्कम, कोलापक्कम, वंडालूर।

चेन्नई का अलवणीकरण संयंत्र नेटवर्क:

- चेन्नई की जल माँगों के लिए चौथी अलवणीकरण सुविधा।
- उद्घाटन संयंत्र: 100 एमएलडी क्षमता, मिंजुर, 31 जुलाई, 2010।
- नेम्मेली डिसेलिनेशन प्लांट: 100 एमएलडी, 23 फरवरी 2010 को नींव रखी गई।
- जल रहा निर्माण: नेम्मेली में 150 एमएलडी विलवणीकरण संयंत्र।

प्रचार एवं संचार:

- सीएमडब्ल्यूएसएसबी ने पौधों की विशेषताओं को उजागर करने के लिए वीडियो बनाया।

- सूचना प्रसार के लिए व्यापक उपभोक्ता आधार के साथ वीडियो साझा किया गया।

9. असम का अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 'डिजी यात्रा' सुविधा शुरू करने वाला पूर्वोत्तर भारत का पहला हवाई अड्डा बना (Aug. 23, 2023)

गुवाहाटी का लोकप्रिय **गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (एलबीबीआई)** 'डिजी यात्रा' सुविधा शुरू करने वाला पूर्वोत्तर भारत का पहला हवाई अड्डा बना।

खबर का अवलोकन

- इस नवोन्मेषी सेवा का उद्देश्य **हवाईअड्डे की प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके क्षेत्र में हवाई यात्रा के अनुभव को बढ़ाना है।**

सहयोग और उद्देश्य:

- 'डिजी यात्रा' पहल हवाई यात्रा को आधुनिक बनाने और बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ एक सहयोग है।

- इसका उद्देश्य **हवाईअड्डों के माध्यम से यात्री नेविगेशन में क्रांतिकारी बदलाव लाना है, जिससे इसे अधिक सहज और सुविधाजनक बनाया जा सके।**

कार्यान्वयन के प्रमुख क्षेत्र:

- 'डिजी यात्रा' सेवा हवाई अड्डे के तीन मुख्य क्षेत्रों में लागू की गई है: **प्रवेश बिंदु, चेक-इन काउंटर और बोर्डिंग जोन।**

- चेक-इन और सुरक्षा प्रक्रियाओं के दौरान पारंपरिक लंबी कतारें और देरी में काफी कमी आने की उम्मीद है।

चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी:

- 'डिजी यात्रा' पहल का मूल निर्बाध हवाईअड्डा यात्रा के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग है।

- इससे टिकट सत्यापन और आईडी जांच के पारंपरिक तरीकों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

सुरक्षा और गोपनीयता उपाय:

- गोपनीयता सुनिश्चित करते हुए यात्री डेटा को एन्क्रिप्ट किया जाता है और यात्री के स्मार्टफोन वॉलेट में संग्रहीत किया जाता है।

- प्रक्रिया के दौरान कोई भी व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी (पीआईआई) संग्रहीत नहीं की जाती है।

असम के उद्योग और वाणिज्य मंत्री - **चंद्र मोहन पटोवारी**

असम के बारे में:

- यह भारत के उत्तरपूर्वी क्षेत्र में स्थित एक राज्य है। यह उत्तर में भूटान, पूर्व में अरुणाचल प्रदेश, उत्तर पूर्व में नागालैंड, दक्षिण पूर्व में मणिपुर, दक्षिण में मिजोरम और पश्चिम में पश्चिम बंगाल से घिरा है।

- गठन(एक राज्य के रूप में) - **26 जनवरी 1950**

- राजधानी - दिसपुर

- मुख्यमंत्री - **हिमंत बिस्वा सरमा**

- राज्यपाल - **गुलाब चंद कटारिया**

10. श्रीनगर का इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन 1.5 मिलियन फूलों के साथ रिकॉर्ड बुक में शामिल हुआ (Aug. 21, 2023)

Srinagar's-Indira-Gandhi-Memorial-Tulip-Garden-enters-the-record-books-with-1.5-million-flowers

सुंदर जबरवान रेंज की तलहटी में स्थित इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन ने एशिया में अपनी तरह के सबसे बड़े और सबसे आश्चर्यजनक पार्क के रूप में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में मान्यता हासिल की।

खबर का अवलोकन

- बगीचे में 1.5 मिलियन खिले हुए फूलों की एक प्रभावशाली श्रृंखला है, जो प्राकृतिक दुनिया की सुंदरता और विविधता के लिए एक उल्लेखनीय प्रमाण है।

- **वर्ल्ड बुक द्वारा मान्यता:** वर्ल्ड बुक के अध्यक्ष और सीईओ संतोष शुक्ला ने आधिकारिक तौर पर इस उपलब्धि को प्रमाणित किया और फ्लोरीकल्चर, गार्डन और पार्क के सचिव फैयाज शेख को मान्यता प्रदान की।

- **विविध ट्यूलिप संग्रह:** ट्यूलिप की 68 विशिष्ट किस्मों के संग्रह के साथ, इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन रंगों और आकारों का एक मनोरम दृश्य है। प्रत्येक ट्यूलिप किस्म अपना अनूठा चरित्र लेकर आती है, जिसमें नाजुक पेस्टल से लेकर जीवंत, आकर्षक रंगों तक के शेड्स शामिल होते हैं।

- **बागवानों और वनस्पतिशास्त्रियों के प्रयास:** बगीचे में फूलों का सावधानीपूर्वक चयन बागवानों और वनस्पतिशास्त्रियों के समर्पित कार्य को उजागर करता है जिन्होंने प्रकृति के चमत्कारों के इस लुभावने प्रदर्शन को विकसित करने के लिए अथक प्रयास किया है।

- **गुलाम नबी आज़ाद से प्रेरित:** बगीचे की उत्पत्ति जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आज़ाद के दूरदर्शी विचारों से जुड़ी हुई है। उन्होंने एक प्राकृतिक आश्रय स्थल के विचार की कल्पना की जो क्षेत्र की विविध वनस्पतियों को प्रदर्शित करेगा। बगीचे को दो साल से कम समय में सावधानीपूर्वक विकसित किया गया, जिसमें कई मजदूर और माली शामिल थे।

- **रंगों का एक स्पेक्ट्रम:** बगीचे के विशाल परिदृश्य में घूमने से आगंतुकों को रंगों का एक आश्चर्यजनक प्रदर्शन मिलता है जो इंद्रियों को आकर्षित करता है और भावनाएं पैदा करता है। बगीचे का रंग शांत सफेद और नरम गुलाबी से लेकर उग्र लाल और भावुक बैंगनी तक है, जो सामान्य से परे एक गहन अनुभव प्रदान करता है।